11 जाट राजवंश

1. किस कछवाहा शासक ने बदनसिंह को 'राजा' व 'ब्रजराज' की उपाधि तथा जागीरे प्रदान की थी?
(1) बिशनसिंह (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) सवाई जयसिंह (4) मानसिंह प्रथम

2. भरतपुर के किस जाट शासक को 'जाटों का अफलातून' कहा जाता है?
(1) जसवंत सिंह (2) बदनसिंह
(3) रणजीत सिंह (4) सूरजमल

3. भरतपुर के जाट राजवंश का संस्थापक किसे माना जाता है?
(1) सूरजमल (2) रणजीत सिंह (3) चूड़ामन (4) बदनसिंह

4. किस अंग्रेज अधिकारी ने 1805 ई. में भरतपुर के लोहागढ़ पर आक्रमण किया था?
(1) लॉर्ड लेक (2) कैप्टन शॉवर्स
(3) लॉर्ड डलहौजी (4) लॉर्ड बैंटिक

5. किस मुगल शासक ने चूड़ामन को 'राव' की उपाधि दी और उसे बारामूला से सिकन्दरा तक के शाही मार्ग से राहदारी वसूलने का अधिकार दिया?
(1) बहादुरशाह (2) औरंगजेब
(3) फर्रूखसियर (4) मुहम्मदशाह

6. महाराजा सूरजमल किस वर्ष भरतपुर का विधिवत शासक बना?
(1) 1730 (2) 1733 (3) 1756 (4) 1759

7. निम्न में से किस शासक को उनकी वीरता व बहादुरी के लिए 'सवाई' व 'बहादुरजंग' की उपाधि से सुशोभित किया गया था?
(1) महाराजा जसवंत सिंह (2) महाराजा रामसिंह
(3) महाराजा किशनसिंह (4) महाराजा बृजेन्द्र सिंह

8. भरतपुर के लोहागढ़ दुर्ग का निर्माण किसने करवाया था?
(1) जवाहरसिंह (2) रणजीतसिंह
(3) बदनसिंह (4) सूरजमल

9. डीग के जलमहलों का निर्माण किसने पुरा करवाया था?
(1) चूड़ामन (2) सूरजमल
(3) बदनसिंह (4) सवाई जयसिंह

10. जाट वंश का 18वीं शताब्दी के मध्य में किन भू–भागों पर आधिपत्य था?
(1) भरतपुर व करौली (2) धौलपुर व करौली
(3) अलवर व करौली (4) भरतपुर व धौलपुर

11. महाराजा जवाहर सिंह ने लोहागढ़ दुर्ग में 'जवाहर बुर्ज' का निर्माण किस विजय की याद में करवाया था?
(1) मल्हार राव होल्कर को परास्त करने की याद में
(2) मावण्डा– मंढोली के युद्ध की विजय में
(3) दिल्ली विजय की याद में (4) इनमें से कोई नहीं

12. 1879 ई. में भरतपुर के किस शासक ने ब्रिटिश सरकार के साथ नमक संधि की, जिसके तहत् भरतपुर राज्य में नमक उत्पादन पर रोक लगा दी गई?
(1) महाराजा रामसिंह (2) महाराजा बृजेन्द्र सिंह
(3) महाराजा जसवंत सिंह (4) महाराजा बलवंत सिंह

13. किस जाट शासक ने अपने पिता के कट्टर शत्रु खेमकरण जाट को परास्त किया था?
(1) फतहसिंह (2) चूड़ामन
(3) सूरजमल (4) महाराजा बलदेव

14. 1721 ई. में जयसिंह ने भरतपुर के किस शासक को परास्त कर 'थून का किला' छीन लिया था?
(1) सूरजमल (2) बदनसिंह
(3) चूड़ामन (4) जवाहर सिंह

15. धौलपुर के किस शासक को 'मत्स्य संघ' का राजप्रमुख बनाया गया था?
(1) राणा रामसिंह (2) राणा निहालसिंह
(3) राणा उदयभानसिंह (4) राणा भगवंत सिंह

16. राजाराम जाट के नेतृत्त्व में दूसरा जाट विद्रोह कब हुआ था?
(1) 1685 ई. (2) 1687 ई.
(3) 1656 ई. (4) 1665 ई.

17. मावण्डा–मंढ़ोली का युद्ध किनके मध्य हुआ था?
(1) जवाहर सिंह व माधोसिंह प्रथम के मध्य
(2) बदनसिंह व जयसिंह के मध्य
(3) सूरजमल व सवाई ईश्वरी के मध्य
(4) महाराजा बलदेवसिंह व सवाई जयसिंह

18. निम्न में से कौनसा शासक भरतपुर राज्य का शासक नहीं था?
(1) महाराजा सूरजमल (2) महाराजा बदनसिंह
(3) राणा कीरत सिंह (4) महाराजा बृजेन्द्र सिंह

19. किस मुगल बादशाह ने चूड़ामन की गतिविधियों से परेशान होकर आमेर के बिशनसिंह को चूड़ामन का दमन करने के लिए भेजा था?
(1) जहाँगीर (2) औरंगजेब
(3) अकबर (4) शाहजहाँ

20. निम्न में से महाराजा सूरजमल के दरबारी कवि कौन थे?
(1) कविवर सुदन (2) अखैराज गर्ग
(3) विकल्प 1 व 2 दोनों (4) इनमें से कोई नहीं

21. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें–
A. महाराजा बदनसिंह B. महाराजा जवाहरसिंह
C. महाराजा सूरजमल D. महाराजा बृजेन्द्र सिंह
कूटः–
(1) A, B, C, D (2) A, C, B, D
(3) A, D, B, C (4) A, C, D, B

22. निम्न में से किस जाट नेता 1660 ई. में औरंगजेब के समक्ष आत्मसर्मपण कर दिया था?
(1) गोकुल जाट (2) नन्दराम जाट
(3) राजाराम जाट (4) चूडामन

23. धौलपुर के महाराणा निहाल सिंह के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है?
(1) इनके नाबालिग होने के कारण धौलपुर राज्य का शासन प्रबंधन 'सर दिनकर राव' को सौपा गया।
(2) 1875 ई. में इन्होनें मिस्टर स्मिश को धौलपुर राज्य में भूमि बंदोबस्त करने के लिए बुलाया।

(3) मुंशी कन्हैयालाल व दुर्गाप्रसाद के सहयोग से 1877 ई. तक बंदोबस्त पूर्ण हुआ।
(4) 1911 ई. में इनका निधन हो गया।

24. महाराजा रणधीर सिंह की निःसंतान (7 अक्टूबर, 1823) मृत्यु हो जाने के बाद भरतपुर का शासक कौन बना था?
(1) रणजीत सिंह (2) बलवंत सिंह
(3) बलदेव सिंह (4) बृजेन्द्र सिंह

25. भरतपुर की रानी किशोरी देवी किस शासक की पत्नी थी?
(1) जसवंत सिंह (2) बलवंत सिंह
(3) रणजीत सिंह (4) सूरजमल

Lead, Read and Achieve
Dhindhwal Publication

अध्यापक भर्ती के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

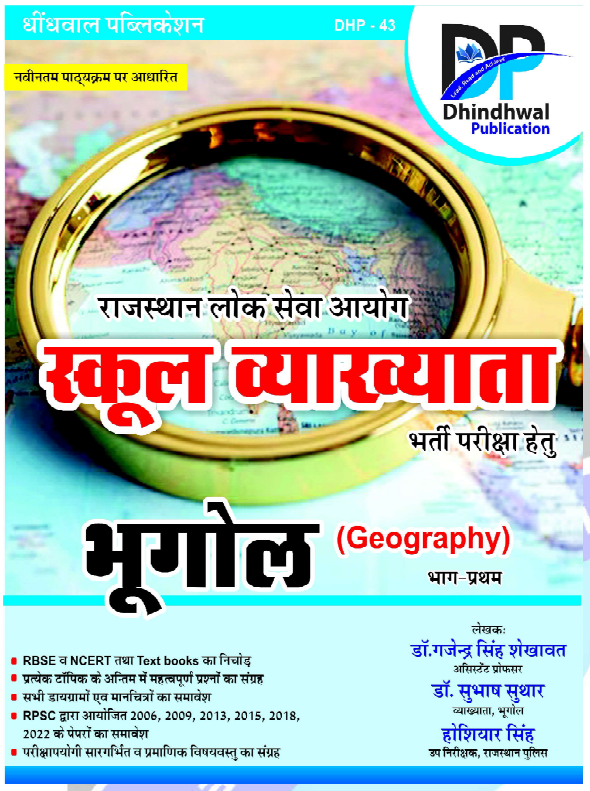

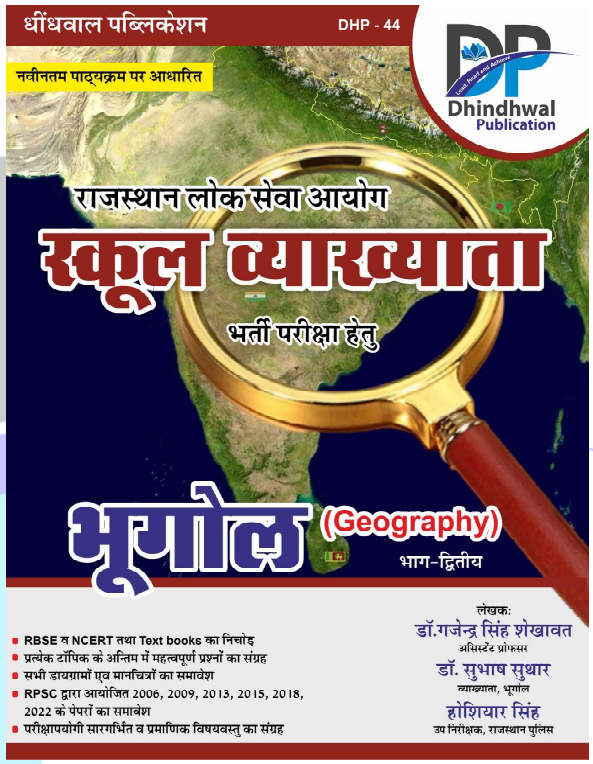

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।